नईदुनिया

आर्थिक तंगी और बदहाली से जूझ रहा पाकिस्तान अब करेगा गधों का कारोबार

ग्वादर में गधों का वध कर मांस और खाल चीन को बेचकर करेगा जमकर कमाई

इस्लामाबाद

विदेशी मुद्रा की कमी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा पाकिस्तान अब गधों का कारोबार बढ़ा रहा है, जिसका सीधा संबंध चीन से है। बलूचिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पास गधों के वध और प्रसंस्करण की सुविधा विकसित की जा रही है। यहां से गधे का मांस और खाल चीन भेजने की योजना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस कारोबार का सबसे बड़ा आर्थिक आकर्षण गधे का मांस नहीं, बल्कि उसकी खाल बताई जा रही है। चीन में गधे की खाल से एजियाओ नाम का पारंपरिक उत्पाद तैयार किया जाता है। इसके लिए खाल को संसाधित कर कोलेजन निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल पारंपरिक चीनी चिकित्सा और सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है। चीन में एजियाओ का इस्तेमाल लंबे समय से कई स्वास्थ्य लाभों वाले पारंपरिक उत्पाद के रूप में किया जाता रहा है। खाल की इसी मांग ने गधे के कारोबार को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन में गधों की आबादी में गिरावट आने के बाद उसकी कंपनियां दूसरे देशों से गधों और उनकी खाल की आपूर्ति हासिल कर रही हैं। रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया में हर साल लाखों गधों को उनकी खाल के लिए मारे जाने का अनुमान है। 2021 में चीन के एजियाओ बाजार का आकार करीब 7.8 अरब डालर आंका गया था।

अफ्रीका लंबे समय तक चीन के लिए गधे की खाल का प्रमुख स्रोत रहा, लेकिन 2024 में अफ्रीकी संघ ने गधों की खाल के लिए उनके वध और निर्यात पर महाद्वीप स्तर पर रोक का समर्थन किया। इसके बाद आपूर्ति के लिए पाकिस्तान समेत अन्य देशों का महत्व बढ़ा है।

बता दें पाकिस्तान में गधों की आबादी 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 60 लाख से ज्यादा बताई गई है। देश पहले भी चीन को गधे निर्यात करने की संभावनाएं तलाशता रहा है। पंजाब के ओकारा जिले में करीब 3,000 एकड़ में गधा प्रजनन फार्म विकसित करने की योजना भी सामने आई थी।

इसका उद्देश्य गधों की कई नस्लों का प्रजनन कर घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए आपूर्ति तैयार करना था। ग्वादर में चीन से जुड़ी हैंगेंग ग्रुप ने गधे के वध और प्रसंस्करण की सुविधा तैयार की है। कंपनी ने पाकिस्तान में करीब 5 करोड़ डालर निवेश किया है और स्थानीय स्तर पर रोजगार देने की बात कही है।

कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाकर प्रतिदिन करीब 800 गधों के प्रसंस्करण तक पहुंचाने की योजना बना रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि फिलहाल रोजाना 800 गधों का वध हो रहा है, बल्कि इतनी क्षमता विकसित करने की तैयारी है। यह कारोबार ऐसे समय में सामने आया है जब देश विदेशी मुद्रा, कर्ज और आयात भुगतान के दबाव से जूझ रहा है। वहीं पशु कल्याण और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े सवाल भी अहम हैं, क्योंकि गधे पाकिस्तान में परिवहन और छोटे स्तर के कृषि कार्यों में इस्तेमाल होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में सिलेंडर फटे, गारमेंट फैक्टरी में लगी आग, छह की मौत, 20 झुलसे

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका उप नगरीय क्षेत्र अशुलिया के जमगोरा इंडस्ट्रियल इलाके में कवर्ड वैन में एलपीजी सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाके इतनी तेज हुए कि एक सिलेंडर तो करीब 200 गज दूर जा गिरा, जिससे सड़क किनारे एक दुकान के अंदर मौजूद महिला की मौत हो गई। इन धमाकों से एक गारमेंट फैक्टरी आग की लपटों से घिर गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के कारण लगी आग ने जमगोरा में मौजूद पांच -छह गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। अशुलिया पुलिस ने देररात बताया कि आग बुझाने के बाद आसपास खोजबीन की गई। इस दौरान रात करीब सवा 11 बजे कवर्ड वैन के अंदर पांच लोगों के शव मिले। उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। एक मृतक की 55 वर्षीय जैनब के रूप में हुई। वह गाजीपुर के काशिमपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी थीं। जैनब अपनी बेटी संजीदा अख्तर से मिलने आई थीं। संजीदा घटनास्थल से करीब 200 गज दूर एक टेलर की दुकान में काम करती हैं। वह दुकान के अंदर खड़ी थीं, तभी एक सिलेंडर टिन की छत फाड़कर उनके सिर पर लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, यह घटना जमगोरा में प्रिटी ग्रुप से जुड़े एक इंडस्ट्रियल इलाके में हुई। डीईपीजेड फायर सर्विस के वेयर हाउस इंस्पेक्टर सोमेन बरुआ ने बताया कि आग तब लगी जब फैक्टरी में इस्तेमाल के लिए लाए गए सिलेंडर एक कवर्ड वैन से उतारे जा रहे थे।

खुद से बातचीत करना समस्या को समझने की सामान्य प्रक्रिया: वैज्ञानिक

मास्को। खुद से बातचीत करना यानी सेल्फ टाक या इनर स्पीच मानव सोचने और समस्याओं को समझने की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। मनोविज्ञान के अनुसार, कई लोग दिनभर में कई बार मन ही मन या कभी-कभी बोलकर खुद से बातचीत करते हैं। समस्या खुद से बात करने में नहीं, बल्कि तब हो सकती है जब व्यक्ति ऐसी आवाजें सुनने लगे जो वास्तव में मौजूद न हों और उसका व्यवहार या रोजमर्रा का जीवन प्रभावित होने लगे। मनोविज्ञान में सेल्फ टाक को मुख्य रूप से आंतरिक और बाहरी बातचीत के रूप में समझा जाता है। जब कोई व्यक्ति मन ही मन सोचता है कि चाबी कहां रखी है या किसी काम को कैसे करना है, तो यह आंतरिक सेल्फ टाक है। वहीं, जब वह इन्हीं विचारों को बोलकर व्यक्त करता है, तो इसे बाहरी सेल्फ टाक कहा जाता है। रूसी मनोवैज्ञानिक लेव वाइगोत्सकी ने इस प्रक्रिया को समझाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुसार बचपन में दूसरे लोगों से बातचीत करते हुए हम कई चीजें सीखते हैं और समय के साथ यही संवाद हमारी आंतरिक आवाज का हिस्सा बन जाता है। यह आवाज सोचने, योजना बनाने और समस्याओं को सुलझाने में हमारी मदद कर सकती है। शोधों में सेल्फ टाक के कई संभावित फायदे सामने आए हैं।

जूतों ने शहर और लोगों को दो हिस्सों में बांट दिया, दोस्त बनना, शादी करना हुआ बंद

बर्लिन। जूतों ने पूरा शहर आपस में भिड़ा दिया। लोग एक-दूसरे से बातचीत करना बंद कर दी, अलग-अलग दुकानों पर जाने लगे और एक-दूसरे के परिवारों में शादी तक करने से इनकार कर दिया ये एक फिल्मी कहानी जैसा है, लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ है। जर्मनी के हर्जोजेनौराच शहर में यह अजीबोगरीब वाक्या हुआ। दो सगे भाइयों की आपसी जिद, पारिवारिक कलह और नफरत ने दुनिया की दो सबसे मशहूर शू कंपनियां एडिडास और प्यूमा बनाईं। इन दोनों भाइयों की दुश्मनी इतनी बढ़ी कि एक शहर को दो हिस्सों में बांट दिया। मीडिया रिपोर्टें के मुताबिक ये कहानी साल 1936 की है, जब जर्मनी के बर्लिन शहर में ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ था। जर्मनी के ही हर्जोजेनौराच शहर में दो सगे भाई रहते थे, रुडाल्फ डास्लर और एडाल्फ डास्लर। दोनों भाई मिलकर डास्लर शूज नाम की एक कंपनी चलाते थे और खेल के लिए बेहतरीन जूते बनाते थे। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में अमेरिका के स्टार एथलीट जेसी ओवेंस ने डास्लर भाइयों के बनाए जूते पहनकर दौड़ लगाई और चार-चार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

नेपाल-चीन सीमा पर पांच हिमतालों का होगा तकनीकी अध्ययन

प्राकृतिक आपदा के खतरे को कम करने पर बनी सहमति

काठमांडू

नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित संभावित खतरनाक हिमतालों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए चीन के भू-भाग में मौजूद पांच हिमतालों का तकनीकी अध्ययन कराने पर दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के बीच सहमति बनी है।

चीन के ताक्लाकोट में हाल ही में हुई बैठक में हिमतालों से नेपाल की ओर उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे, सीमा प्रबंधन, व्यापार और बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोला नाथ गुरागाईं के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीनी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हिमतालों की स्थिति का तकनीकी टीम के माध्यम से अध्ययन कराने के लिए अपने-अपने संघीय सरकारों के समक्ष पहल करने पर सहमति जताई।

उन्होंने बताया कि संभावित हिमताल विस्फोट (जीएलओएफ) या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुम्ला के हिल्सा, किट सीमा क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। इसलिए हिमतालों की स्थिति, उनमें मौजूद पानी की मात्रा, संभावित खतरे और उससे होने वाले प्रभाव का तकनीकी अध्ययन जरूरी है।

रसुवा में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से भारी नुकसान के बाद चीन की ओर से भी हिमतालों और प्राकृतिक आपदा के जोखिम को लेकर चिंता जताई गई और इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित की गई।

ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों की पहल पर हुई बैठक में नेपाल की ओर से चीनी भू-भाग में स्थित राक्षस ताल, मानसरोवर, गोंजुका, आबुका और सिरिमाल समेत विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी साझा की गई।

प्रमुख जिला अधिकारी गुरागाईं के अनुसार, हिमतालों की स्थिति की नियमित जानकारी हासिल करने के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा हिमपात और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा खतरे की स्थिति में समय रहते एक-दूसरे को जानकारी देने के लिए प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर भी सहमति बनी।

बैठक में नेपाल ने सीमा स्तंभों की स्थिति, सीमा पास, कृषि एवं पशु उत्पादों के निर्यात, व्यापार मेले,

हिल्सा स्थित मितेरी पुल के संचालन और हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण जैसे मुद्दे भी उठाए।

नेपाल की ओर से तीन सीमा स्तंभों की मरम्मत का मुद्दा भी चीन के समक्ष रखा गया। गुरागाईं के मुताबिक सीमा स्तंभ संख्या 6 के 2 नेपाल की ओर तथा 7 के 1 और 2 चीन की ओर स्थित हैं। इनमें से कुछ सीमा स्तंभों की मरम्मत की आवश्यकता बताई गई है।

सीमा क्षेत्र से आने वाले खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांच के लिए क्वारंटीन व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि सीमा पास की प्रक्रिया को और व्यवस्थित कर भविष्य में इसे डिजिटल प्रणाली में बदला जा सकता है। इस पर चीनी पक्ष ने भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने साल में एक बार लगने वाले सीमा हाट-बाजार को व्यवस्थित करने पर भी चर्चा की। नेपाल ने सीमावर्ती क्षेत्रों में करीब 30 किलोमीटर तक व्यापार और व्यवसाय को सुगम बनाने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने का मुद्दा उठाया। बैठक में हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण का मुद्दा भी प्राथमिकता के साथ उठाया गया। बताया गया कि इस सड़क को चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत आगे बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा हुई। बझांग के प्रमुख जिला अधिकारी मुकेश केसरी के अनुसार, बैठक में बझांग, दार्चुला और हुम्ला जिलों के सीमा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय निकायों के प्रमुखों, प्रमुख जिला अधिकारियों तथा सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

चीनी पक्ष ने नेपाल की ओर से उठाए गए मुद्दों में स्थानीय स्तर पर हल किए जा सकने वाले मामलों को तत्काल लागू करने तथा केंद्र सरकार के निर्णय की आवश्यकता वाले विषयों को संबंधित उच्च अधिकारियों के समक्ष भेजने का आश्वासन दिया।

बैठक में जरूरत पड़ने पर सीमा क्षेत्र में तैनात नेपाली सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय नागरिकों के लिए ताक्लाकोट में उपचार की व्यवस्था करने के विषय पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा अगले वर्ष ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों को हुम्ला भ्रमण के लिए आमंत्रित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। नेपाल-चीन सीमा से जुड़े मामलों पर जिला स्तर की बातचीत को नियमित और व्यवस्थित बनाने के लिए हुम्ला जिला प्रशासन कार्यालय और ताक्लाकोट के संबंधित अधिकारियों के बीच ईमेल के माध्यम से नियमित सूचना एवं विषयों का आदान-प्रदान करने पर भी सहमति बनी है। दोनों पक्षों ने इसके लिए संपर्क प्रक्रिया शुरू कर दी है। बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों का दस्तावेजीकरण कर नेपाल सरकार के संबंधित निकायों को सौंपा जाएगा। स्थानीय स्तर पर समाधान होने वाले मामलों को दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से आगे बढ़ाया जाएगा, जबकि नीतिगत विषयों के समाधान के लिए संघीय सरकार के माध्यम से पहल की जाएगी। बैठक में शामिल अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा के जोखिम को कम करने के साथ-साथ व्यापार, आवागमन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नेपाल और चीन के स्थानीय अधिकारियों के बीच नियमित समन्वय जरूरी है।

हूती विद्रोहियों पर हमले में सऊदी ने स्काईवास्प कामिकेज ड्रोन का किया इस्तेमाल

रियाद

सऊदी अरब ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव कर साना में ड्रोन हमले किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में स्काईवास्प नाम के कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इन ड्रोन को लंबी दूरी तक हमला करने और लक्ष्य से टकराकर उसे नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक साना के आसमान में डेल्टा-विंग आकार के कई ड्रोन दिखाई दिए। हूती लड़ाकों और जमीन पर मौजूद सुरक्षा बलों ने इन्हें रोकने के लिए एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों का इस्तेमाल किया, लेकिन ड्रोन अपने लक्ष्यों तक पहुंच गए। हमले के बाद हूती ठिकानों को नुकसान पहुंचने का दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्काईवास्प को सऊदी अरब का स्वदेशी लंबी दूरी का कामिकेज ड्रोन बताया गया है। कामिकेज ड्रोन ऐसे हथियार हैं, जो अपने लक्ष्य से टकराकर खुद भी नष्ट हो जाते हैं। रिपोर्ट में इसके डिजाइन की तुलना ईरान के शाहिद-136 ड्रोन से की गई है। शाहिद-136 का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन युद्ध में हुआ है और हूती विद्रोहियों पर भी इसी तरह के ड्रोन इस्तेमाल करने के आरोप लगते रहे हैं। एक स्काईवास्प की कीमत करीब 35 हजार डालर यानी करीब 29-30 लाख रुपए बताई गई है। इसकी अनुमानित रेंज करीब 1,500 किलोमीटर है। ड्रोन में जीपीएस और नेविगेशन सिस्टम होने का दावा किया गया है।

यह ड्रोन लक्ष्य से टकराकर नष्ट हो जाते हैं, ईरान के शाहिद-136 से की जा रही तुलना

इस ड्रोन को एसआर2वेक्टर नाम की सऊदी-अमेरिकी संयुक्त कंपनी द्वारा विकसित किए जाने की बात कही है। यह परियोजना सऊदी अरब की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की कोशिशों से भी जोड़ी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब अपने विजन 2030 के तहत विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करने और घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहा है। मध्य पूर्व में ड्रोन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। सस्ते कामिकेज ड्रोन बड़ी संख्या में भेजकर दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अमेरिका में बजा मिडटर्म चुनावों का बिगुल, 45 दिन में होगा ट्रंप की किस्मत का फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक किस्मत का फैसला करने वाले मिडटर्म चुनावों का बिगुल बज चुका है और इसके लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह चुनाव तय करेगा कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बचे हुए समय में अमेरिकी संसद पर उनकी रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा रहेगा या विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का। इस समय देश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल के दाम और डांवाडोल अर्थव्यवस्था चुनावी मुद्दे बने हुए हैं, जो ट्रंप की साख पर सवाल उठा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव का दिन आने में भले ही कुछ दिन बाकी हों, लेकिन अमेरिका के 20 राज्यों ने अपने नागरिकों को डाक के जरिए बैलेट पेपर भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें टेक्सास, मिशिगन और नार्थ कैरोलिना जैसे राज्य शामिल हैं। जल्द ही 13 और राज्य भी इसी प्रक्रिया से जुड़ जाएंगे, जिससे 3 नवंबर की तारीख आने से पहले ही करोड़ों नागरिक अपना वोट डाल चुके होंगे। अमेरिका में मेल-इन वोटिंग यानी घर बैठे डाक से वोट देने का क्रेज पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है।

एआई की मदद से साइबर हमले होंगे और तेज: विशेषज्ञ

लंदन

ब्रिटेन के सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में साइबर अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी की मदद से अधिक जटिल और तेज हमले कर सकते हैं। इसका असर बैंकिंग व्यवस्था, व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी और कंपनियों के डिजिटल डेटा पर पड़ सकता है। एआई के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराध का खतरा भी नई चुनौती बनकर सामने आ रहा है। हालांकि, इस तरह के हमलों की समय-सीमा और उनकी संभावित क्षमता को लेकर किए जा रहे दावों को विशेषज्ञ आकलन के रूप में ही देखा जाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के एआई सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट से जुड़े अधिकारियों ने एआई माडलों के सुरक्षा उपायों को लेकर चिंता जताई है।

उनके अनुसार, पश्चिमी देशों में विकसित कई एआई प्रणालियों में सुरक्षा संबंधी नियंत्रण और गाडरेल्स लगाए जाते हैं, ताकि उनका इस्तेमाल साइबर अपराध, हथियार बनाने या अन्य खतरनाक गतिविधियों के लिए न किया जा सके। वहीं, कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि ऐसे एआई माडल भी सामने आ रहे हैं जिनके सुरक्षा प्रतिबंधों को हटाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। विशेषज्ञों की चिंता यह है कि एआई के कारण साइबर अपराधियों की तकनीकी क्षमता बढ़ सकती है। पहले जटिल साइबर हमले तैयार करने के लिए विशेषज्ञ स्तर की जानकारी और काफी समय की जरूरत होती थी, लेकिन एआई कोड तैयार करने, कमजोरियों की

पहचान करने और साइबर हमले की योजना बनाने जैसे कार्यों में मदद कर सकता है। इससे कम तकनीकी क्षमता रखने वाले अपराधियों के लिए भी बड़े पैमाने पर डिजिटल धोखाधड़ी का रास्ता खुल सकता है। बैंकिंग क्षेत्र के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमले होने की स्थिति में प्रतिक्रिया देने का समय बेहद कम हो सकता है। बैंकिंग प्रणालियों में मजबूत साइबर सुरक्षा, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण और संदिग्ध लेनदेन की निगरानी जैसे उपाय पहले से मौजूद हैं, लेकिन एआई आधारित हमलों के लगातार विकसित होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार मजबूत करना जरूरी होगा। एआई के दुरुपयोग को लेकर जैविक हथियारों और अन्य खतरनाक गतिविधियों से जुड़े जोखिमों पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है। ऐसे मामलों ने एआई विकास में सुरक्षा परीक्षण, जिम्मेदार उपयोग और प्रभावी नियमन की जरूरत को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक आम लोगों को भी डिजिटल सुरक्षा को लेकर सावधान रहना चाहिए। मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड रखना, बहुस्तरीय सुरक्षा सक्रिय करना, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करना और बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करना जरूरी है।

ईरान ने अमेरिका का इरादा भांप दी धमकी, यमन में लड़ाई तेज, ट्रंप तैयार हो सकते हैं पेजेश्कियान से मिलने को

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका उस पर हमला करने की योजना बना रहा है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन ऐसा करता है तो वह पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। उधर, यमन में लड़ाई तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न्यूयार्क में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने को तैयार हो सकते हैं। ईरान के मुख्य सैन्य कमांड खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कड़े शब्दों में कहा कि अगर अमेरिका और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देश कोई गलती करते हैं, तो उन्हें घातक हमलों का सामना करना पड़ेगा।

अल जजीरा, सीबीएस न्यूज और फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके सामने युद्ध के संबंध में केवल तीन ही विकल्प हैं। पहला- ईरान को पूरी तरह खत्म कर देना। दूसरा उसे आर्थिक रूप से बरबाद करना। तीसरा ईरान से

कोई समझौता करना। इस पर कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र को एक ऐसे ढांचे की जरूरत है जिसमें संप्रभुता का सम्मान हो। कोई भी देश दूसरे के लिए खतरा न बने।

इस बीच यमन के अल-जौफ प्रांत में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रांत में हूती विद्रोहियों और सऊदी-समर्थित बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

सरकारी बल कई मोर्चों पर सैन्य अभियान चला रहे हैं। ये मोर्चे मुख्य रूप से उत्तरी और पश्चिमी इलाकों में फैले हुए हैं। सबसे अहम और भीषण मोर्चा पश्चिमी तट का है। यह ताइज के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों से लेकर लाहज तक फैली पर्वत श्रृंखला के साथ-साथ है। सरकारी बल उन इलाकों में हूती विद्रोहियों के साथ कड़ा संघर्ष कर रहे हैं।

अंदरूनी इलाकों में किसी भी पक्ष को कोई खास कामयाबी नहीं मिल रही है। और किसी भी सेना की बढ़त के बारे में बात करना मुश्किल है।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी का कहना है कि सऊदी वायु सेना ने पिछले 24 घंटों में पूरे यमन में 28 हवाई हमले किए हैं। सरी ने कहा कि इन हमलों में ताइज, अल-जौफ और मारिब प्रांतों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में तनाव बढ़ने के बाद से सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कम से कम 760 हवाई हमले किए हैं।

इस घटनाक्रम पर अमेरिकी रिपब्लिकन रणनीतिकार, व्हाइट हाउस व राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग के पूर्व अधिकारी मार्क फिफल का कहना है कि मध्यस्थ कतर और पाकिस्तान की कोशिश के अलावा चीन तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, आने वाले हफ्ते में अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक महत्वपूर्ण हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने के लिए तैयार हो सकते हैं। पेजेश्कियान के इस न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने की उम्मीद है।

मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में तनाव बढ़ने की अमेरिकी चेतावनी के बीच सीआईए निदेशक जान रैटक्लिफ ने रविवार को काहिरा की खास यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की।